भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
लोक उद्यम विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3356

दिनांक 16 मार्च, 2021 को उत्तर देने के लिए

केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों का बंद होना

3356. श्री रवनीत सिंह:

क्या **भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में केन्द्रीय सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू) के समयबद्ध तरीके से बंद करने के मानदंडों को संशोधित करने पर विचार कर रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा बंद करने के लिए कई सीपीएसयू की पहचान की गई है जहां रणनीतिक विनिवेश के माध्यम से निजीकरण सहित सभी प्रयास विफल रहे हैं;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और
(ङ) चिन्हित सीपीएसयू के संबंध में सरकार द्वारा विनिवेश के प्रयासों की विफलता के कारणों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग एवं लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री अर्जुन राम मेघवाल)

(क) और (ख): लोक उद्यम विभाग (डीपीई) ने रूग्ण/घाटे में चल रहे सीपीएसईज़ को समयबद्ध रूप से बंद किए जाने और उनकी चल-अचल परिसंपत्तियों के निपटान के संबंध में दिनांक 14 जून, 2018 को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री ने बजट भाषण 2021-22 में रूग्ण और घाटे में चल रही इकाइयों को समय पर बंद करने को सुनिश्चित करने के लिए एक संशोधित तंत्र शुरू करने की घोषणा की है। लोक उद्यम विभाग (डीपीई) केंद्रीय सरकारी लोक उद्यमों के लिए नोडल विभाग होने के नाते रूग्ण और घाटे में चल रहे सीपीएसईज़ को समय पर बंद करने के लिए संशोधित तंत्र तैयार करेगा और उचित प्रक्रिया पूरी होने पर संशोधित तंत्र को अधिसूचित करेगा।

(ग) से (ङ): वित्त मंत्रालय का निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सीपीएसईज़ के विनिवेश और निजीकरण के लिए नोडल विभाग है। दीपम ने सूचित किया है कि वर्ष 2016 से सरकार ने 35 सीपीएसईज़ और सहायक कंपनियों/इकाइयों/संयुक्त उद्यमों के कार्यनीतिक विनिवेश को 'सैद्धांतिक रूप से' मंजूरी दी है। जिनमें से 4 सीपीएसईज़ अर्थात् स्कूटर इंडिया लिमिटेड, उत्तर प्रदेश, हिंदुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लिमिटेड, तेलंगाना, भारत पंप्स एंड कंप्रेसर लिमिटेड, उत्तर प्रदेश और हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड, नई दिल्ली को बंद करने के लिए पहचान की गई है। उपरोक्त सीपीएसईज़ के कार्यनीतिक विनिवेश की विफलता का मुख्य कारण सीमित निवेशक प्रतिक्रिया/बोलियां प्राप्त करने में विफलता आदि है ।

*****